हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 28 सितम्बर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से आगामी त्यौहारों के मौसम में वोकल फॉर लोकल के मंत्र को स्मरण रखते हुए स्वदेशी उत्पादों के साथ मनाने की अपील की है। आज आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम की 126वीं कड़ी में श्रोताओं के साथ अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा

श्री मोदी ने लोगों से कहा कि स्वदेश में तैयार उत्पादों को खरीदने से परिवार में तो खुशी आयेगी ही, कारीगरों के परिश्रम का भी सम्मान होगा और युवा उद्यमियों के सपनों को पंख लगेंगे। प्रधानमंत्री ने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि त्यौहार के मौसम के दौरान केवल घर ही नहीं, बल्कि सड़कों, पड़ोस, बाजार और गावं की भी स्वच्छता पर ध्यान दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति की बात करते हुए कहा कि नवरात्र के इस समय के दौरान शक्ति की उपासना की जाती है। उन्होंने कहा कि अब कारोबार से लेकर खेल जगत तक और शिक्षा से लेकर विज्ञान तक हर क्षेत्र में बेटियां अपनी पहचान बना रही हैं। श्री मोदी ने नौसेना की दो बहादुर अधिकारियों की उपलब्धि की चर्चा की जो नाविक सागर परिक्रमा के दौरान आठ महीने तक समुद्र में रहीं। उन्होंने लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और रूपा के नाम का जिक्र किया, जिन्होंने इस परिक्रमा को एक यादगार अवसर बताया। श्री मोदी ने कहा कि इन अधिकारियों के असाधारण साहस ने उन्हें रोमांचित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन अधिकारियों के कठिन परिश्रम, सफलता और उपलब्धियों से पूरे देश के युवा और खासकर लड़कियों को बहुत प्रेरणा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानी भगत सिहं और गायिका लता मंगेशकर की जयंती होने के कारण मन की बात की यह कड़ी विशेष महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि लता मंगेशकर के गीत हमारी भावनाओं को छूते हैं और उनके देशभक्ति गीत लोगों के लिए प्रेरणा का विषय रहे हैं। उन्होंने कहा कि लता मंगेशकर, वीर सावरकर से प्रेरित थीं और उन्हें तात्या कहती थीं। लता मंगेशकर ने वीर सावरकर के कई गीतों को अपना स्वर भी दिया था। प्रधानमंत्री ने दो अक्तूबर को गांधी जयंती का जिक्र करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर जोर दिया, जिसमें खादी सबसे प्रमुख थी।

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र में काफी बदलाव हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में देशभर में विजयादशमी मनाई जायेगी। उन्होंने कहा कि इस बार की विजयादशमी का विशेष महत्व है ।

प्रधानमंत्री ने सात अक्तूबर को मनाई जाने वाली महर्षि वाल्मीकि जयंती के संबंध में कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने ही रामायण के माध्यम से लोगों को भगवान राम के अवतार से जुड़ी कथा से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान राम ने सेवा सौहार्द और करुणा की भावना से हर किसी को गले लगाया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि रामायण के राम, माता शबरी और निषादराज से ही पूर्णता को प्राप्त करते हैं। श्री मोदी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनाते समय निषादराज और महर्षि वाल्मीकि का मंदिर भी बनाया गया। उन्होंने लोगों से अयोध्या की यात्रा के दौरान इन मंदिरों के दर्शन की अपील भी की।

****